सामाजिक विज्ञान-2015 (प्रथम पाली)

समय : 2 Hrs. 45 Minutes] **[Full Marks : 80**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. उत्तर देते समय परीक्षार्थी यथासंभव शब्द-सीमा का ध्यान रखें।
5. इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

सामान्य निर्देश :

(i) प्रश्न-पत्र पाँच ग्रुपों में विभाजित है, जिसमें कुल 30 प्रश्न दिए गए हैं। ग्रुप-A और ग्रुप-B में प्रत्येक 20 अंक, ग्रुप-C और ग्रुप-D में प्रत्येक 17 अंक तथा ग्रुप-E में 6 अंक निर्धारित है।

(ii) 1 अंक के प्रश्न में दो तरह के प्रश्न दिए गये हैं—बहु वैकल्पिक और रिक्त स्थानों की पूर्ति। वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर प्रश्न-पत्र में दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखना है। रिक्त स्थानों की पूर्ति पाठ्य-पुस्तक के अनुसार सही शब्दों द्वारा करना है।

(iii) 2 अंक के सभी प्रश्न अति लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है।

(iv) 3 अथवा 4 अंकों के सभी प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर अधिकतम 50 अथवा 60 शब्दों में देना है।

(v) 6 अथवा 7 अंकों के सभी प्रश्न दीर्घ उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 अथवा 120 शब्दों में देना है।

(vi) मानचित्र से सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार देना है।

GROUP–A (HISTORY)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

1. अंकोरवाट का मंदिर कहाँ स्थित है ? 1

(a) वियतनाम (b) लाओस
(c) कम्बोडिया (d) थाईलैण्ड

2. सन् 1870 में फ्रांस और प्रशा के बीच युद्ध कहाँ हुआ था ? 1

(a) सेडॉन (b) सेडोवा
(c) साइडाइन (d) फ्रैंकफर्ट

3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
सन् 1992 में 'हिन्दुस्तान टाइम्स' का सम्पादन ..... ने किया। 1

4 सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
लेनिन ने 1921 ई. में ..... नीति की घोषणा की। 1

5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
नापाम और एजेन्ट ऑरेंज क्या था ? 3

6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
साइमन कमीशन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 3

निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :

7. घरेलू और कुटीर उद्योग को परिभाषित करें। 3

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :

8. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी के योगदानों का उल्लेख करें। 7
अथवा, सविनय अवज्ञा आन्दोलन का वर्णन करें।

GROUP–B (GEOGRAPHY)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

9. बिहार में रज्जुमार्ग कहाँ है ? 1
(a) पटना (b) बिहार शरीफ
(c) राजगीर (d) बांका

10. निम्नांकित में कौन उद्योग कृषि पर आधारित नहीं है ? 1
(a) सूतीवस्त्र उद्योग (b) सीमेंट उद्योग
(c) चीनी उद्योग (d) जूट उद्योग

11. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :
(i) मैंगनीज उत्पादन में भारत का विश्व में ..... स्थान है। 1
(ii) संजय गांधी जैविक उद्यान ..... नगर में स्थित है। 1

12. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
समोच्च रेखा से आप क्या समझते हैं ? 3

13. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
सौर ऊर्जा का उत्पादन कैसे होता है ? 3

14. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
संसाधन को परिभाषित कीजिए। 3

15. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
चाय उत्पादन के प्रमुख भौगोलिक दशाओं का वर्णन करें। भारत के चाय उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख करें। 7
अथवा, पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए :
(क) गेहूँ उत्पादक क्षेत्र
(ख) दिल्ली
(ग) विशाखापतनम बन्दरगाह
(घ) लाल मिट्टी का क्षेत्र
(ङ) अरब सागर।

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए : 7
भारत में चीनी उद्योग वितरण का वर्णन कीजिए।

GROUP–C (POLITICAL SCIENCE)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

16. निम्नलिखित में कौन भारतीय किसान यूनियन के नेता थे ? 1
(a) मोरारजी देशाई (b) जयप्रकाश नारायण
(c) महेन्द्र सिंह टिकैत (d) चौधरी चरण सिंह

17. लोकसभा में निर्वाचन हेतु कुल सीटों की संख्या है– 1
(a) 542 (b) 544 (c) 543 (d) 545

18. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :
दलबदल कानून क्या है ?

19. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें : 2
लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विषमताओं को कम करने में मददगार होता है और सामंजस्य के वातावरण का निर्माण करता है ?

20. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें : 3
सूचना अधिकार आन्दोलन के मुख्य उद्देश्य क्या थे ?

21. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें : 3
नगर निगम के मुख्य कार्यों का वर्णन करें।
अथवा, भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है ? 7

GROUP–D (ECONOMICS)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें :

22. निम्न में से किस राज्य को पिछड़ा राज्य कहा जाता है ? 1
(a) पंजाब (b) केरल
(c) बिहार (d) दिल्ली

23. उपभोक्ता द्वारा शिकायत करने के लिए आवेदन शुल्क कितना है ? 1
(a) 50 रु. (b) 10 रु.
(c) 70 रु. (d) इनमें से कोई नहीं

24. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :
साख क्या है ? 2

25. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
बहुराष्ट्रीय कम्पनी किसको कहते हैं ? 3

26. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
वस्तु विनिमय क्या है ? 3

27. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
व्यावसायिक बैंकों के प्रमुख कार्यों की विवेचना करें। 7
अथवा, अर्थव्यवस्था की संरचना से क्या आप क्या समझते हैं ? इन्हें कितने भागों में बाँटा गया है ?

GROUP–E (DISASTER MANAGEMENT)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें :

28. संचार का सबसे लोकप्रिय साधन है- 1
(a) सार्वजनिक टेलीफोन (b) मोबाईल फोन
(c) वॉकी-टॉकी (d) रेडियो

29. बिहार का कौन-सा क्षेत्र बाढ़ग्रस्त क्षेत्र है ? 1
(a) पूर्वी बिहार (b) पश्चिमी बिहार
(c) दक्षिणी बिहार (d) उत्तरी बिहार

30. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
भूकम्प एवं सुनामी के विनाशकारी प्रभाव से बचने के उपायों का वर्णन करें। 4

उत्तरमाला

GROUP–A (HISTORY)

1. (ग) 2. (ख) 3. K.K. पन्नीकर। 4. नयी आर्थिक नीति।

5. वियतनामी युद्ध में अमेरिका द्वारा एक खतरनाक नापाम, फॉसफोरस बम और एजेंट ऑरेंज जैसे रसायनिक हथियारों का व्यवहार किया गया था। नापाम रसायन में गैसोलिन मिला होता है जो एक ज्वलनशील पदार्थ होता है तथा त्वचा से चिपककर गलता रहता था। जबकि एजेंट ऑरेंज एक खतरनाक जहर था जो ड्राम में रखा जाता था और उस पर नारंगी रंग की पट्टी चढ़ी रहती थी। इसलिए इसे ऑरेंज एजेंट के नाम से जाना जाता है।

6. सर जॉनसाइमन की अध्यक्षता में सात सदस्यों की एक कमिटी गठित की गई जिसे साईमन कमिशन के नाम से जाना जाता है। इस कमिशन का उद्देश्य 1919 के अधिनियम को देखते हुए भारतीयों के लिए एक उत्तरदायी शासन की स्थापना में किए गये प्रयासों की समीक्षा करना एवं आवश्यक सुझाव देना था। परंतु इस कमिटी के एक भी भारतीय नहीं होने के कारण भारतीयों को यह शक था कि अंग्रेज जो निर्णय लेंगे वह भारत के लिए सही नहीं होगा। अतएव भारतीयों ने इसका विरोध किया था।

7. घरेलू उद्योग— वह उद्योग जिसमें कम पूंजी लगा है। और परिवार के सदस्यों द्वारा ही उसे उत्पादित कर लिया जाता है, उसे घरेलू उद्योग कहते हैं। जैसे—पापड़ बनाना, अचार बनाना, टोकरी बुनना इत्यादि।

कुटीर उद्योग— वह उद्योग जिसमें लघु उद्योग से ज्यादा पूंजी लगता हो और उससे ज्यादा सदस्यों की आवश्यकता पड़ती हो उसे कुटीर उद्योग कहते हैं। जैसे—कालीन उद्योग।

8. गांधीजी ने राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा एवं दशा दी। औपनिवेशिक सरकार के विरुद्ध उन्होंने अहिंसा और सत्याग्रह नामक दो नए अस्त्रों का सहारा लिया। स्वतंत्रता आंदोलन को उन्होंने जन आंदोलन में परिवर्तित कर दिया।

1917-18 में उन्होंने चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद में सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया। रॉलेट कानून, जालियाँवाला बाग हत्याकांड और खलीफा के प्रश्न को लेकर 1920 में गांधीजी ने असहयोग आंदोलन आरंभ किया। इसमें बहिष्कार,स्वदेशी तथा रचनात्मक कार्यों पर बल दिया गया। गांधीजी का दूसरा व्यापपक आंदोलन 1930 में हुआ। उन्होंने सरकारी नीतियों के विरुद्ध सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया। इसका आरंभ उन्होंने 12 मार्च 1930 को दांडी यात्रा से किया। दांडी पहुंचकर नमक बनाकर उन्होंने नमक कानून भंग किया। गांधीजी का निर्णायक आंदोलन 1942 में हुआ। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ करने के लिए लोगों को प्रेरित किया तथा 'करो या मरो' का मंत्र दिया।

महात्मा गांधी एक राजनीतिक नेता के साथ-साथ प्रबुद्ध चिंतक, समाजसुधारक एवं हिंदू-मुस्लिम एकता के समर्थक थे। उन्होंने दलितों के उद्धार के लिए अनेक कार्य के किए। 30 जनवरी 1948 को दिल्ली में उनकी निर्मम हत्या कर दी गई।

GROUP–B (GEOGRAPHY)

9. (ग), 10. (ख)

11. (i) तीसरा, (ii) पटना।

12. सीढ़ीनुमा ढाल को दिखाने के लिए पहली और दूसरी समोच्च रेखाएँ पास-पास, दूसरी एवं तीसरी समोच्च रेखाएँ दूर-दूर एवं तीसरी तथा चौथी समोच्च रेखाएँ पास-पास बनाई जाती है तथा आगे भी समोच्च रेखाओं का यही क्रम बनाया जाता है।

13. सौर ऊर्जा का उत्पादन —सौर ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए एक सोलर प्लेट का

उपयोग किया जाता है जो *n* तथा *P* टाइप के अर्द्धचालक का बना होता है। यह प्लेट सूर्य प्रकाश से ऊर्जा प्राप्त कर अपने पास संचित करते हैं जिसका विभिन्न कार्यों में उपयोग किया जाता है। इसकी निम्नलिखित विशेषताएँ है।

(i) यह ऊर्जा का गैरपारंपरिक स्रोत है।

(ii) सौर ऊर्जा प्रकृति का मुक्त उपहार है।

(iii) इस ऊर्जा से प्रदूषण नहीं फैलता है।

14. मानव जीवन के लिए उपयोगी सभी वस्तुएँ एवं पदार्थ संसाधन होते हैं। जिसमें प्राकृतिक एवं गैर-प्राकृतिक वस्तुएँ भी शामिल हैं। स्वामित्व के आधार पर संसाधन चार प्रकार के होते हैं

(क) व्यक्तिगत संसाधन—निजी अधिकार क्षेत्र में आनेवाले संसाधन इसमें शामिल हैं; जैसे—खेत, तालाब आदि।

(ख) सामुदायिक संसाधन—ऐसे संसाधनों पर पूरे समुदाय का अधिकार होता है; जैसे—श्मशान भूमि, मंदिर, सामुदायिक भवन।

(ग) राष्ट्रीय संसाधन—किसी देश के अन्दर उपलब्ध सभी संसाधन राष्ट्रीय संसाधन है।

(घ) अंतर्राष्ट्रीय संसाधन—तट रेखा से दो सौ किमी के आगे स्थित महासागरीय संसाधन अंतर्राष्ट्रीय संसाधन कहलाता है।

15. चाय—यह सदाबहार झाड़ी होती है। जिसकी पत्तियों को सुखा कर चाय बनाई जाती है। इसमें थीन (then) नामक एक पदार्थ होता है जिसके कारण इसे पीने से हल्की ताजगी महसूस होती है, यह भारत की एक महत्वपूर्ण पेय फसल है। इस फसल के उत्पादन में भारत विश्व में दुसरा है तथा खपत में यह विश्व का सबसे बड़ा देश है। यह रोपन कृषि के अंतर्गत आता है। सर्वप्रथम अंग्रेजों द्वारा इसकी कृषि को ब्रह्मपुत्र घाटी में 1840 में आरंभ किया गया था। यह प्रदेश आज भी देश का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है।

चाय उष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय पौधा है जिसके लिये 25° से 30°C तापमान आवश्यक है तथा 200 से 250 सेमी वर्षा आवश्यक है। इसके लिये आर्द्रता समान रूप से सालों भर वितरित रहना चाहिये। सुबह का कुहासा और प्रतिदिन की बौछार पत्तियों की उपज में अत्यंत सहायक है। इसकी मिट्टी सुप्रवाहित एवं उर्वरक होनी चाहिये। मिट्टी में फास्फोरस, पोटास, लोहा तथा ह्यूमस पर्याप्त मात्रा में होना चाहिये।

झाड़ियों की सफाई एवं कटाई के लिये काफी मानव श्रम की आवश्यकता होती है। चाय की पत्तियों की ताजगी को बनाए रखने के लिये इसे बगान में ही संशोधित किया जाता है। चाय के उत्पादन में प्रमुख स्वम गौण दो प्रकार के क्षेत्र है। प्रमुख क्षेत्र के अंतर्गत असम की ब्रह्मपुत्र एवं सूरमा घाटी पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग तथा जलपाईगुड़ी की पहाड़ियाँ तथा तमिलनाडु नीलगिरी की पहाड़ियाँ हैं। गौण क्षेत्र में हिमालय प्रदेश उत्तराखंड, मेघालय, त्रिपुरा, आंध्रप्रदेश आदि राज्य हैं, भारत विश्व का अग्रणी चाय उत्पादक एवं निर्यातक देश है।

अथवा,

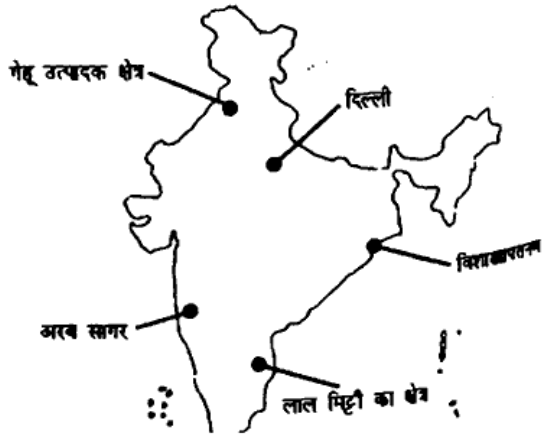

भारत चीनी के उत्पादन में विश्व में प्रथम है। यहाँ सबसे अधिक गन्ने की खेती की जाती है और उत्पादन क्षमता में भी विश्व में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 1950-51 में भारत में केवल 38 चीनी मीलें थी। लेकिन अब इसकी संख्या बढ़कर 506 हो गई है। भारत में चीनी का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके उत्पादन में काफी उतार-चढ़ाव आते हैं। एक समय था जब देश में चीनी का उत्पादन केवल 11.3 लाख टन था। 2002 में उत्पादन बढ़कर 180 लाख टन हो गया।

उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ चीनी का घरेलू उपयोग भी बहुत बढ़ गया। चीनी की माँग चीनी उत्पादन से अधिक है। देश में चीनी के कम उत्पादन का एक बड़ा कारण गुड़ निर्माण है। गाँव में आज भी गुड़ की माँग अधिक है। चीनी उद्योग का प्रारंभ निजी क्षेत्र से ही शुरू हुआ है। यही कारण है कि सबसे अधिक चीनी मीलें उत्तर प्रदेश तथा बिहार में थी। आज चीनी की आधी मीलें उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में स्थित है। महाराष्ट्र तथा दक्षिणी राज्यों के गन्ने में चीनी का अंश अधिक होता है। जिसके कारण इन राज्यों में चीनी का उद्योग का विस्तार तेजी से किया जा रहा है।

GROUP–C (POLITICAL SCIENCE)

16. (ग), **17.** (ग)

18. जन प्रतिनिधियों को एक दल छोड़कर दूसरे दलों में शामिल होने से राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न होती है। इसे रोकने के लिए 1985 ई. में जो कानून बना उसे दल-बदल कानून कहा जाता है।

19. भारतीय लोकतंत्र के चार गुण इस प्रकार हैं—

(i) भारतीय लोकतंत्र द्वारा कल्याणकारी राज्य की स्थापना की गई है जिसमें सबों की अधिकतम भलाई होती है।

(ii) जनता में राजनीतिक जागृति उत्पन्न होती है।

(iii) भारतीय लोकतंत्र समानता का पोषक है। भारतीयों में जाति, वंश, रंग, धर्म, लिंग इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। कानून के समक्ष सभी नागरिक बराबर है।

(iv) भारतीय लोकतंत्र में लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होती है।

अत: हम कह सकते हैं कि लोक चुनाव की स्थितियों में सामाजिक विषमताओं को भुलकर लोग एक गुट होकर अपने अधिकार और कर्त्तव्य को निभाते हैं तथा एक जुट होकर एक सफल प्रतिनिधि का चुनाव करने के लिए तैयार होते हैं।

इस परिस्थितियों में एक सामंजस्य वातावरण का निर्माण होता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि लोकतंत्र सामाजिक विषमताओं को कम करने में मदद करती है।

20. राजस्थान के नागौर जिले से शुरू यह अधिकार सूचना का अधिकार है। जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता खासकर मजदूर वर्ग के लोगों के हित में लागू किया गया था। इसमें मजदूरों के कार्य घटे तथा उनकी मजदूरी से संबंधित तथ्यों पर अधिक बल दिया गया है। सूचना के अधिकार के तटीय आम लोगों की सभी कार्य के बारे में आसानी से सूचना मिल जाती है तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर आम आदमी इसके खोजबीन कर सकते हैं तथा अपना अधिकार खोज सकते हैं।

21. नगर निगम का शहरी स्थानीय निकायों में महत्वपूर्ण स्थान है। इसे नागरिकों की सुविधा के लिए अनेक कार्य करने पड़ते हैं। ठीक ही कहा जाता है कि नगर निगम नागरिकों की सेवा चलने से कब तक करता है। इसके मुख्य कार्य हैं—

(i) नालियों और सार्वजनिक शौचगृहों का निर्माण, उनकी सफाई और हिफाजत (ii) जल और रोशनी की व्यवस्था (iii) गंदगी, राख, कूड़े-करकटों को हटाने की व्यवस्था (iv) वृद्धों और अनाथों के लिए आश्रम की स्थापना तथा देखभाल करना (v) कब्रगाहों और श्मशानों की हिफाजत और निर्माण (vi) जन्म और मृत्यु का रजिस्ट्रेशन (vii) टीका, दवा तथा इंजेक्शन का प्रबंध

(viii) संक्रामक तथा खतरनाक रोगों को फैलने से रोकने का प्रबंध (ix) सार्वजनिक औषधालयों का निर्माण और उनकी हिफाजत, प्रसूतिका गृह, शिशु-कल्याण केंद्रों का निर्माण (x) पशु-चिकित्सा का प्रबंध (xi) बाजार और कसाईखानों का निर्माण और व्यवस्था, खतरनाक व्यापार पर नियंत्रण (xii) गलियों, पुलों, पार्कों, व्यायामशालाओं का निर्माण और उनकी हिफाजत की व्यवस्था (xiii) प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था, पुस्तकालयों, अजायबघरों, कलाकेंद्रों आदि का निर्माण, चलचित्रों की व्यवस्था (xiv) सार्वजनिक पार्कों फुलवारियों, तालाबों, घाटों, कुओं, पशु-संचय आदि की व्यवस्था (xv) आग से हिफाजत और आग लगने पर जान-माल की रक्षा का प्रबंध (xvi) कुष्ठ-निरोध केंद्रों, सरायों, अनाथालयों, धर्मशालाओं इत्यादि का निर्माण (xvii) डेयरी का निर्माण और उत्तम दूध की व्यवस्था, फलों और सब्जियों की व्यवस्था (xviii) घोड़ों, खच्चरों, गदहों और अन्य जानवरों की नस्ल में सुधार की व्यवस्था और खतरनाक जानवरों और लावारिस कुत्तों के नाश की व्यवस्था (xix) यातायात के साधनों की व्यवस्था, प्रदर्शनी और मेलों की व्यवस्था इत्यादि।

अथवा, लोकतंत्र की सफलता की चार आवश्यक शर्तें इस प्रकार हैं—(i) जनता की लोकतंत्र में पूरी आस्था हो। (ii) सुशिक्षा, जिससे मनुष्य अपने अधिकार और कर्तव्य का सही ज्ञान प्राप्त कर सके। सुशिक्षित नागरिक ही अपने मताधिकार का सही प्रयोग कर सकते हैं। (iii) आर्थिक समानता की स्थापना हो। कहा भी जाता है कि आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतंत्रता बेकार है। (iv) स्थानीय स्वशासन की स्थापना हो। इससे नागरिकों को राजनीति एवं शासन के कार्यों में भाग लेने का अधिक अवसर मिलता है।

अत: भारत में लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए आदमियों को उनके अपने अधिकार तथा कर्तव्य के बारे में पूर्ण जानकारी देनी होगी। क्योंकि लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए एक अच्छे प्रतिनिधि का चुनाव करना आम जनता का कार्य है। यदि कुछ लालच में आकर आदमी अपने प्रतिनिधि का गलत चुनाव करेंगे तो उनका भविष्य अंधकारमय हो जायेगा।

GROUP–D (ECONOMICS)

22. (ग), **23.** (ख)

24. शब्दकोष के अनुसार, साख का अर्थ विश्वास या भरोसा करना है। परंतु, साख शब्द का यह व्यापक अर्थ है। आर्थिक शब्दावली में जब हम किसी व्यक्ति या संस्था की साख का उल्लेख करते हैं तब इससे उसकी ईमानदारी तथा ऋण लौटाने की क्षमता का बोध होता है। जिस व्यक्ति को आसानी से ऋण या उधार मिल जाता है, हम कहते हैं कि उसकी साख अच्छी है। इस प्रकार, साख के तीन मुख्य आधार हैं—साख का पहला एवं सबसे प्रमुख आधार विश्वास है, साख का दूसरा आधार ऋणी का चरित्र या उसकी ईमानदारी है तथा साख का तीसरा आधार ऋणी की ऋण लौटाने की क्षमता है।

25. एक बहुराष्ट्रीय कंपनी या बहुराष्ट्रीय निगम वह है जिसका एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण या स्वामित्व होता है। होंडा, पेप्सी, कोका-कोला, कॉलगेट तथा नोकिया बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उदाहरण हैं।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के द्वारा वस्तुओं का निर्माण वृहत् पैमाने पर किया जाता है तथा उसका निर्यात भी अनेक देशों में किया जाता है। इस प्रकार से कंपनी को तो लाभ होता ही है साथ ही साथ जहाँ पर या जिन देशों में इस वस्तुओं का निर्यात किया जाता है वहाँ के लोगों को भी अधिक से अधिक लाभ मिल पाता है।

26. वस्तु-विनिमय प्रणाली की चार कठिनाइयाँ इस प्रकार हैं—(i) आवश्यकताओं के दोहरे संयोग का अभाव (ii) मूल्य के सामान्य मापदंड का अभाव एवं मूल्य-मापन की कठिनाई (iii) वस्तुओं के विभाजन की कठिनाई तथा (iv) मूल्य या धन-संचय की कठिनाई।

मनुष्य की अपनी आवश्यकतों की पूर्ति हेतु आपस में वस्तुओं का आदान-प्रदान करना ही वस्तु-विनिमय कहलाता है। अर्थात जिस व्यक्ति के पास किसी वस्तु की अधिकता है और किसी

दूसरे वस्तु की उसे आवश्यकता है तो वह उस वस्तु को लेकर अन्य व्यक्तियों की तलाश करेगा कि यह वस्तु लेकर दुसरा वस्तुएँ दें। इस प्रकार वस्तु-विनिमय प्रणाली में निम्नलिखित कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था जो निम्न है।

27. व्यवसायिक बैंक मुख्यतया निम्नलिखित कार्यों का संपादन करती है—

(i) **जमा स्वीकार करना**— लोगों की बचत को जमा के रूप में स्वीकार करना व्यवसायिक बैंकों का मुख्य कार्य है। यह तीन प्रकार खातों में रकम जमा करती है—स्थायी जमा, चालू जमा तथा संचयी जमा। स्थायी जमा में एक निश्चित अवधि के लिए रकम जमा की जाती है। इसपर ब्याज दर अधिक मिलता है। चालू खाता में जमाकर्ता अपनी इच्छानुसार जब चाहे पैसा निकासी या जमा कर सकता है। इस पर ब्याज दर कुछ भी नही या नाम मात्र थोड़ा ब्याज देता है, संचयी या बचत खाता मुख्यत: मध्यम वर्ग के लिए होती तथा इसपर ब्याज की दर स्थायी जमा से कम होता है।

(ii) **ऋण या कर्ज देना**— यह व्यवसायिक बैंकों का दुसरा मुख्य कार्य है। बैंक अपने ग्राहकों की रकम को जमा करते हैं तथा उसे उनलोगों को कर्ज के रूप में देते हैं जिन्हें उद्योग या व्यवसाय के लिए धन की जरूरत होती है। ऋण लेनेवाले से थे जो ब्याज वसूल करते हैं वह जमाकर्ता के ब्याज से अधिक होता है।

(iii) **एजेंसी संबंधी कार्य**— व्यावसायिक बैंक अपने ग्राहकों के एजेंट या प्रतिनिधि का कार्य भी करते हैं।

(iv) **सामान्य उपयोगिता**— संबंधी कार्य उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त व्यवसायिक बैंक कई अनेक प्रकार के कार्य भी करते हैं। साख-पत्र भाषायी चेक जारी करते हैं अपने ग्राहकों की मूल्यवान वस्तुओं को अपनी सुरक्षा में भी रखते हैं।

अथवा, किसी भी व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की आर्थिक विकास एक ऐसी प्रक्रिया है। किसी भी अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की आर्थिक क्रियाएँ एवं गतिविधियाँ एजेन्सियों द्वारा सम्पादित की जाती है। ये आर्थिक क्रियाएँ प्राथमिक क्षेत्र (कृषि क्षेत्र) द्वितीयक क्षेत्र (उद्योग) तथा तृतीयक क्षेत्र या सेवा क्षेत्र से सम्बन्धित होती है।

उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण तथा स्वामित्व के आधार पर तीन प्रकार की अर्थव्यवस्था विश्व में पायी जाती है—

(i) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी व्यक्तियों का स्वामित्व होता है। उत्पादित लागू का उपयोग व्यक्तिगत हित में होता है।

(ii) समाजवादी अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण एवं स्वामित्व सरकार रखती है। प्राप्त लाभ का उपयोग सामाजिक कल्याण के लिए होता है।

(iii) मिश्रण अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर स्वामित्व एवं नियंत्रण निजी व्यक्तियों एवं सरकार दोनों का होता है। उत्पादित आय एवं लाभ का व्यय दोनों अपने-अपने क्षेत्रों में करते हैं। मिश्रण अर्थव्यवस्था का उद्देश्य सूक्ष्म लाभ कमाना, उपभोक्ता बनाना तथा आर्थिक समृद्धि और समता लाना है।

GROUP–E (DISASTER MANAGEMENT)

28. (ख), 29. (घ)

30. पृथ्वी के भीतर होनेवाली हलचलें से पृथ्वी की सतह पर उत्पन्न कंपन को भूकंप कहा जाता है। भूकंप के लिए कई कारक जिम्मेवार है। इससे धन-जन अपार हानि होती है, इससे बच के दो उपाय इस प्रकार हैं—(i) भूकंप रोधी मकान का निर्माण करना। (ii) सरकारी एवं गैर सरकारी समितियों द्वारा आपदा राहत की पूर्ण व्यवस्था करना चाहिए।

●●●